पांच महानगरों में यूपी के पांच मैग्नेट सेंटर तैयार

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधानसभा चुनाव से पहले पांच निवेश मैग्नेट सेंटर का लोकार्पण करेंगे। यह केंद्र चेन्नई, हैदराबाद, बंगलुरू, दिल्ली, मुंबई में बन कर तैयार हो गए हैं। दिल्ली में यह केंद्र एयरोसिटी में बनाया गया है।

इनके जरिये राज्य में तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश व महाराष्ट्र की कंपनियों को निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। विधानसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने निवेश आकर्षित करने के अभियान को एक नए चरण में पहुंचा दिया है। इसके तहत अब निवेशकों को केवल लखनऊ आमंत्रित करने के बजाय सरकार खुद उनके कारोबारी केंद्रों तक पहुंचेगी। इन केंद्रों के जरिए बड़े कॉरपोरेट घरानों, निवेश संस्थानों और उद्योगपतियों से सीधा संपर्क साधकर यूपी में नई परियोजनाएं लाने का खाका तैयार किया गया है। इन्हें सेटेलाइट सेंटर भी नाम दिया गया है।

दिल्ली समेत चेन्नई, मुंबई, हैदराबाद, बंगलुरू व मुंबई में यह केंद्र बन कर तैयार हो गए हैं। इनके संचालन के लिए 10 अधिकारियों व कर्मचरियों की नियुक्ति कर दी गई है। यह सब सितंबर के आखिरी हफ्ते तक काम पूरी तरह संभाल लेंगे। इनमें महाप्रबंधक, सहायक महाप्रबंधक, दो उद्यमी मित्र, दो कार्यालय अधिकारी व अन्य स्टाफ शामिल है। उत्तर प्रदेश की इस कवायद से 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की मुहिम तेजी आने की उम्मीद है। ब्यूरो

■ **मुंबई :** वित्तीय सेवाएं, बुनियादी ढांचा, फिनटेक और निवेश कोष ■ **बंगलूरू :** ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, एयरोस्पेस, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन और डीप टेक ■ **हैदराबाद :** फार्मास्यूटिकल्स, डेटा सेंटर, हेल्थटेक और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर ■ **चेन्नई :** ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा और हार्डवेयर विनिर्माण ■ **दिल्ली:** अंतरराष्ट्रीय निवेशक तथा एशिया-यूरोपीय संघ की कंपनियां